महत्वपूर्ण एवं खास

कुर्मापाली मेन रोड़ पर शराब परिवहन करते दो व्यक्तियों को कोतरा रोड पुलिस ने पकड़ा, आरोपियों से 14 लीटर शराब जब्त

रायगढ़। पुलिस अधीक्षक रायगढ़ दिव्यांग कुमार पटेल के दिशा निर्देशन पर अवैध शराब की बिक्री एवं परिवहन पर अंकुश लगाने नव पदस्थ थाना प्रभारी कोतरारोड़ निरीक्षक त्रिनाथ त्रिपाठी द्वारा थाने के स्टाफ को निर्देशित कर मुखबीर सक्रिय किया गया है। इसी कड़ी में आज थाना प्रभारी कोतरारोड़ को मुखबिर से मिली सूचना पर कोतरारोड़ पुलिस द्वारा कुर्मापाली रोड़ पर आरोपी (1) ओम प्रकाश चौहान पिता नेहरू लाल चौहान निवासी सुरसी थाना डभरा जिला सक्ती आरोपी (2) खेमनाथ चौहान पिता लक्ष्मण चौहान उम्र 25 वर्ष निवासी सुरसी थाना डबरा जिला सक्ती को पैदल अवैध बिक्री के लिये शराब परिवहन करते पकड़ा गया है। आरोपियों के पास 7-7 लीटर अवैध महुआ शराब बरामद हुआ है। आरोपियों पर थाना कोतरारोड़ में पृथक-पृथक धारा 34(2), 59 (क) आबकारी अधिनियम के तहत कार्यवाही कर माननीय न्यायालय प्रस्तुत किया गया। थाना प्रभारी कोतरारोड त्रिनाथ त्रिपाठी के निर्देश पर कार्रवाई में प्रधान आरक्षक जयप्रकाश सूर्यवंशी एवं आरक्षक चंद्रेश पांडे शामिल रहे।

ट्रैक्टर मैकेनिक कोर्स में कौशल प्रशिक्षण 15 से हो रहे आवेदन जमा

रायपुर (आरएनएस)। लाईवलीहुड कॉलेज जोरा में महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा लिमिटेड के द्वारा ट्रैक्टर मैकेनिक कोर्स में प्रशिक्षण हेतु नवीन तकनीक से सुसजित लैब स्थापित किया गया है, जहाँ प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना एवं मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना अन्तर्गत ट्रैक्टर मैकेनिक कोर्स में कौशल प्रशिक्षण प्रारंभ किया जा रहा है। रायपुर जिले में निवासरत 18 से 45 वर्ष के इच्छुक हितग्राही आवेदन कर सकते हैं। आवेदन दिनांक-15.06.2024 से जमा हो रहे हैं। प्रशिक्षण की अवधि-220 घण्टे (लगभग 02 माह) तथा आवश्यक योग्यता 10वी पास है। अधिक जानकारी हेतु कार्यालयीन नम्बर-0771-2443068 एवं अन्य नम्बर-9109321845, 7828246081 में संपर्क कर सकते है।

आईटीआई कोर्स में प्रवेश हेतु बरमकेला में कल होगा काउंसिलिंग

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू के निर्देश और सहायक संचालक जिला कौशल विकास प्राधिकरण पुरषोत्तम स्वर्णकार के माध्यम से आईटीआई सरिया में शिक्षित बेरोजगारों को मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना अंतर्गत प्रशिक्षण दिया जाना है। इस आईटीआई सरिया में इलेक्ट्रीशियन डोमेस्टिक सॉल्यूशन एवं प्लंबर जनरल (असिस्टेंट) में आठवीं आवेदक को प्रशिक्षण दिया जाना है। इस कोर्स के लिए काउंसलिंग जनपद पंचायत बरमकेला के सभाकक्ष में 20 जून 2024 को सुबह 10:00 बजे निर्धारित किया गया है। इस प्रशिक्षण को सीखने के इच्छुक आवेदक निर्धारित तिथि 20 जून 2024 को सुबह 10 बजे अंक सूची, आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र एवं पासपोर्ट फोटो के साथ उपस्थित होना है। आवेदक को इलेक्ट्रीशियन डोमेस्टिक सॉल्यूशन एवं प्लंबर जनरल (असिस्टेंट) में प्रशिक्षण हेतु न्यूनतम योग्यता आठवीं उत्तीर्ण होना चाहिए। इसी प्रकार डॉमेस्टिक डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं फिटर फैब्रिकेशन में प्रशिक्षण हेतु आवेदक का न्यूनतम योग्यता दसवीं उत्तीर्ण होना चाहिए।

राजधानी में देर शाम बरसे बादल, उमर भरी गर्मी से मिली राहत

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में लगातार मानसून पर लग रहे ब्रेक के बाद आखिरकार मंगलवार शाम जमकर बारिश हुई। मंगलवार को राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में बादल छाए रहे। कई स्थानों पर आंधी-तूफान चला तो कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश भी हुई है। वहीं मौसम विभाग ने प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश होने का अनुमान जताया है।

मुख्यमंत्री साय बने किसान: खेतों में बीज छिड़काव कर खेती-किसानी का शुभारंभ

रायपुर। आरएनएस

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज एक प्रेरणादायक कदम उठाते हुए अपने गृह ग्राम बगिया में किसान की भूमिका निभाई। उन्होंने पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन करते हुए मानसून की शुरुआत के साथ ही अपने पुश्तैनी खेतों में धान की बोनी का शुभारंभ किया। यह दृश्य न केवल ग्रामीणों के लिए उत्साहजनक था, बल्कि पूरे राज्य के किसानों के लिए एक प्रेरणा स्रोत भी बना। मुख्यमंत्री साय ने खुद धान की बीज को अपने हाथों से खेतों में बिखेरा। इस मौके पर पारंपरिक वस्त्र और पगड़ी पहने हुए मुख्यमंत्री ने किसानों के साथ जुड़ाव और उनकी समस्याओं के प्रति अपने संवेदनशीलता का प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने खेतों में बीज छिडक़ाव से पहले पारंपरिक पूजा-अर्चना भी की, जो जशपुर और सरगुजा अंचल के किसानों की पुरानी परंपरा है। इस परंपरा के अनुसार, परिवार का मुखिया पहले बीज छिडक़ता है और उसके बाद परिवार के अन्य सदस्य उसका अनुसरण करते हैं। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा, खेती-किसानी हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। मैं भी एक किसान परिवार से हूं और खेती-किसानी की परंपराओं को जीवित रखना चाहता हूं। मैं चाहता हूं कि हमारे किसान आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए अपनी उपज को बढ़ाएं, लेकिन साथ ही अपनी पारंपरिक विरासत को भी बनाए रखें। यह पहल न केवल पारंपरिक कृषि पद्धतियों को पुनर्जीवित करने का प्रयास है, बल्कि इससे यह भी संदेश मिलता है कि मुख्यमंत्री किसानों के साथ खड़े हैं और उनकी समस्याओं को समझते हैं। हाल ही में, मुख्यमंत्री साय ने कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर राज्य में बेहतर खरीफ फसल के लिए जरूरी तैयारियों की समीक्षा की थी। उन्होंने अधिकारियों को किसानों के लिए खाद-बीज की पर्याप्त व्यवस्था करने और कृषि में तकनीक के अधिक प्रयोग पर जोर दिया था। मुख्यमंत्री की इस पहल ने राज्य के किसानों में एक नई उम्मीद जगा दी है। बगिया गांव के किसानों ने कहा, मुख्यमंत्री जी का हमारे साथ खेतों में काम करना हमारे लिए गर्व की बात है। इससे हमें प्रेरणा मिलती है और यह दिखाता है कि वे वास्तव में हमारी समस्याओं को समझते हैं और उनका समाधान करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री साय ने स्वयं खेती-किसानी कर नया उदाहरण प्रस्तुत किया है कि कैसे एक नेता अपने पारिवारिक और प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए जमीनी स्तर पर जनता के साथ जुड़ सकता है। मुख्यमंत्री साय ने किसानों से अपील की कि वे आधुनिक तकनीक और पारंपरिक ज्ञान का मिश्रण कर अपनी कृषि उत्पादकता को बढ़ाएं। उन्होंने कहा, हमारी सरकार किसानों की हर संभव मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम कृषि क्षेत्र में नवाचार और तकनीकी विकास को बढ़ावा देंगे, ताकि हमारे किसान अधिक उत्पादन कर सकें और अपने जीवन स्तर को सुधार सकें। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में कृषि आधारित रोजगार को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को आधुनिक उपकरण के लिए सब्सिडी और तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाएगी।

मॉब लिचिंग मामले में तीसरे युवक ने भी तोड़ा दम

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी से लगे आरंग में मॉब लिचिंग मामले में घायल युवक सद्दाम कुरैशी ने भी मंगलवार दम तोड़ दिया। इसके पहले इस घटना में दो युवकों की मौत हो चुकी है। बता दें कि 7 जून की दरमियानी रात अज्ञात आरोपियों ने गौ तस्करी के आरोप में ट्रक में मवेशी लेकर जा रहे तीन युवकों को बुरी तरह से पीटा था। तीनों महानदी पर बने पुल के नीचे पड़े मिले थे जिनमें से दो गुड्डू खान (35) और चांद मियां खान (23) की उसी दिन मौत हो गई थी और सद्दाम कुरैशी घायल हो गया था। वहीं घायल सद्दाम कुरैशी का उपचार राजधानी के आंबेडकर अस्पताल में चल रहा था, जहां उसने मंगलवार को दम तोड़ा दिया। इधर मृतक के परिजनों ने शव लेने से इंकार करते हुऐ सरकार से मुआवजा की मांग की है। इस मामले में पुलिस ने सद्दाम के भाई की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ आरंग पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 304 (गैर इरादतन हत्या), 307 (हत्या का प्रयास) और 34 (साझा इरादा) के तहत एफआईआर दर्ज किया था। यह भी बता दें कि इस पूरे मॉब लिंचिंग मामले का सद्दाम एकलौता गवाह था। मामले में मृतक सद्दाम कुरैशी के भाई सोहेल क़ुरैशी ने कहा, मेरे भाई की साजिश पूर्वक हत्या की गई है।

लाखों की चोरी मामले में फरार दो आरोपी गिरफ्तार

बस्तर । आरएनएस

बस्तर जिले के नगरनार थानाक्षेत्र में हुई लाखों रूपये के गहनों की चोरी के मामले में फरार दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस ने पहले ही दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था। तथा दो फरार हो गये थे। जिनमें से एक को महाराष्ट्र और दूसरे को जगदलपुर से पकड़ा गया है।

मिली जानकारी के अनुसार नगरनार के रहने वाले सुरेंद्र कुमार देवांगन कुछ महीने पहले मकान में ताला जडक़र अपने परिवार के साथ बाहर गए थे। जब कुछ दिनों के बाद वे घर पहुंचे तो देखा ताला टूटा था और सोने चांदी के जेवरात की चोरी हो चुकी थी। इसके बाद उन्होंने नगरनार थाने में शिकायत दर्ज कराई। महीनेभर पहले पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि, दंतेवाड़ा जिले के गीदम का रहने वाले युवक कृष्णा शेट्टी का इस चोरी में हाथ है। जिस पर पुलिस ने संदेह के आधार पर कृष्णा को पकड़ा था। इससे पूछताछ की गई तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया था। पकड़े गये आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने अपने मामा संदीप सेठिया, राहुल शेट्टी, और मणिकांता के साथ मिलकर चोरी की थी। पुलिस ने कृष्णा और संदीप को तो गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, लेकिन राहुल और मणिकांता फ रार हो गये थे। जिनकी तलाश की जा रही थी। इसी बीच पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि राहुल शेट्टी महाराष्ट्र के किसी इलाके में छिपा हुआ है। जिसके बाद उसका फ ोन ट्रेस किया गया, जिसके बाद बस्तर पुलिस ने महाराष्ट्र जाकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसके अलावा एक अन्य आरोपी मणिकांता को जगदलपुर से पकड़ा गया है। इन दोनों के पास से 70 ग्राम चोरी के जेवरात बरामद किए गए हैं, जिनकी कीमत करीब 5 लाख रुपए बताई जा रही है। चोरी से 2-3 दिन पहले आरोपी युवक कृष्णा शेट्टी अपने मामा संदीप सेठिया के साथ मकान की रेकी करने पहुंचा था। फिर 30 मार्च की आधी रात दोनों राहुल और मणिकांता के साथ चोरी करने मकान में घुसे और चोरी को अंजाम दिया। वारदात के बाद चुराए कुछ आभूषण को संदीप ने ही रख लिया। कुछ राहुल और मणिकांता के पास था। संदीप ने इसके बदले उसने अपने भांजा कृष्णा को 1 लाख 40 हजार रुपए दिए थे। पैसे मिलने के बाद कृष्णा गोवा चला गया था। जहां उसने सारे पैसे अय्याशी में उड़ा दिए। वहीं पुलिस ने इन चारों चोरों की तलाशी में कुल 10 लाख रुपए के जेवरात बरामद किए है तथा सभी को जेल भेज दिया गया है।

प्रेम प्रसंग बना हत्या का कारण, आरोपी गिरफ्तार

मुंगेली । आरएनएस

मुंगेली पुलिस को ब्लांइड मर्डर की गुत्थी सुलझाने में बड़ी कामयाबी मिली है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट, साइबर सेल और सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस महज 3 दिनों के भीतर मृतक की पहचान करने के साथ हत्या के आरोपियों को गिरफ्तार करने में कामयाब रही. पुलिस की तफ्तीश में मामला प्रेम प्रसंग का निकला. एसएसपी गिरजा शंकर जायसवाल ने पूरी मर्डर मिस्ट्री की खुलासा करते हुए बताया कि 7 जून को ग्राम रेहुंटा स्थित शराब भ ी के पीछे एक अज्ञात युवक की लाश मिलने की सूचना मिली थी. सिटी कोतवाली पुलिस के मौके में जाकर तस्दीक करने पर मृतक की पहचान मुंगेली के खरीपार निवासी नरेन्द्र वास पिता शिवनारायण वास (25 साल) के तौर पर हुई. इसके साथ हीमृतक के शव का पंचनामा कार्यवाही पश्चात शव का पोस्टमार्टम जिला अस्पताल मुंगेली से कराया गया. मृतक नरेन्द्र वास की शार्ट पीएम रिपोर्ट में बताया गया कि मौत गला दबाने से सांस की गति अवरूद्ध होने के कारण हुई है, जिसके आधार पर पुलिस ने हत्या का अपराध दर्ज किया. इसके बाद पुलिस ने पड़ताल शुरू की, जिसमें संबधितों के करीबन 500 मोबाइल नंबरों का कॉल डिटेल साइबर सेल से टॉवर डम्प करने के साथ घटना स्थल के आस-पास के सीसीटीवी कैमरा फुटेज लिया गया, जिसके बाद आरोपीगण शिवम साहू, अजय धुरी और राकेश वास को अलग-अलग पुलिस टीम भेजकर बिलासपुर और रायपुर से पकडक़र लाया गया. आरोपी राकेश वास से पूछताछ में बताया कि नरेन्द्र वास की पत्नी पूजा वास से उसका प्रेम संबध था, जिसे नरेन्द्र जान चुका था. ऐसे में अपनी प्रेमिका को पाने की चाहत में राकेश ने नरेन्द्र को रास्ते से हटाने उसकी हत्या की पूरी प्लानिंग बना लिया.

उर्दू-फारसी की जगह हिंदी शब्दों का प्रयोग करे पुलिस : गृहमंत्री विजय शर्मा

- **पुलिस की कार्यप्रणाली आम जनता एवं पीड़ित को समझ आए**
- **गृह मंत्री विजय शर्मा ने अपर मुख्य सचिव को लिखा पत्र**

रायपुर । आरएनएस

उप-मुख्यमंत्री व गृहमंत्री विजय शर्मा ने छत्तीसगढ़ पुलिस की कार्य प्रणाली में उर्दू, फारसी के शब्दों को हटाकर इनकी जगह सरल हिंदी शब्द जोडऩे के लिए राज्य के अपर मुख्य सचिव को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि छत्तीसगढ़ पुलिस अपनी लिखा-पढ़ी और बोलचाल में उर्दू, फारसी के शब्दों की जगह सरल हिंदी शब्दों का प्रयोग करे, ताकि आम जनता या पीडित को पुलिस की कार्यप्रणाली समझ आए। गृह मंत्री शर्मा ने कहा है कि 1896 के समय से पुलिस विभाग में प्रयोग में लाए जा रहे कई शब्द आम लोगों की समझ में नहीं आते, इसलिए इन्हें बदलना आवश्यक है। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के 24 साल बाद व्यापक जनहित यह अच्छी पहल होगी। हमारे पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश की पुलिस ने अब अपनी कार्य प्रणाली में उर्दू के शब्दों का प्रयोग नहीं करने का निर्णय लिया है। वहां पुलिस की लिखा-पढ़ी और बोलचाल की भाषा में उर्दू, फारसी और अन्य भाषाओं के 69 शब्दों का प्रयोग बंद करके इनकी जगह हिंदी के शब्दों का उपयोग किया जाने लगा है। यह अच्छा उदाहरण है।

आगजनी की घटना में मोटरसायकल जलने पर पत्रकार को 50 हजार रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत

- **मुख्यमंत्री साय के निर्देश पर संचार प्रतिनिधि कल्याण समित ने स्वीकृत की राशि**
- **रिपोर्टिंग के दौरान मोटरसायकल दुर्घटनाग्रस्त होने पर राज्य में पहली बार स्वीकृत की गई आर्थिक सहायता**

रायपुर । आरएनएस

बलौदाबाजार जिला मुख्यालय में बीते 10 जून को घटित आगजनी की घटना में एक पत्रकार की मोटरसायकल जल जाने के कारण मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर राज्य संचार प्रतिनिधि कल्याण समित ने आज 50 हजार रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। मीडिया प्रतिनिधियों को गंभीर बीमारी और दुर्घटना की स्थिति में आर्थिक सहायता तो स्वीकृत की जाती थी परंतु प्रदेश में इस तरह का यह पहला मामला है जब रिपोर्टिंग के दौरान पत्रकार की मोटरसायकल दुर्घटनाग्रस्त होने पर राज्य सरकार की संवेदनशील पहल पर संचार प्रतिनिधि कल्याण समिति द्वारा पत्रकार को 50 हजार रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

गौरतलब है कि जनसंपर्क आयुक्त मयंक श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आज संचालनालय में राज्य संचार प्रतिनिधि कल्याण सहायता समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में मीडिया प्रतिनिधियों के अन्य प्रकरणों का निराकरण करते हुए बलौदाबाजार जिले में बीते 10 जून को हुई आगजनी की घटना में ए.एन.आई. के रिपोर्टर अजय यादव की मोटर सायकल जल जाने से उन्हें समिति ने 50 हजार रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। बैठक में वरिष्ठ पत्रकार और राज्य संचार प्रतिनिधि कल्याण सहायता समिति के सदस्य जोसेफ पी. जान, सुभाष मिश्रा, दीपक लखोटिया, संजय दीक्षित, आर.के. गांधी, टी.सूर्याराव, प्रणय राज सिंह राणा और समिति के सदस्य सचिव अपर संचालक संजीव तिवारी उपस्थित रहे।

बढ़ रहे हैं हौसलें बन रहे आत्मनिर्भर : शासन की योजनाओं से दिव्यांगजनों को मिल रहा लाभ

रायपुर । आरएनएस

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश के दिव्यांगजनों की राह और आसान हो रही है। छत्तीसगढ़ सरकार की योजनाओं से दिव्यांगजनों की कौशल क्षमता में वृद्धि हुई है और वे आत्मनिर्भर बन रहे हैं। अपने इरादे मजबूत करके हर क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहें है। जो दिव्यांग अपनी दिव्यांगता को कमजोरी ना मानकर आगे बढऩे का प्रयास करते हैं उनको कामयाबी जरूर मिलती है। छत्तीसगढ़ सरकार की योजनाओं से दिव्यांगजनों के सपने हो रहे हैं पूरे। सूरजपुर जिला प्रशासन द्वारा दिव्यांगजनों को आगे बढ़ाने के लिए सार्थक प्रयास किया जा रहा है। यहां के ग्राम पलमा के 10वीं में अध्ययनरत दृष्टि बाधित दिव्यांग बलजीत देवांगन ने मोबाइल के लिए, ग्राम-खरसुरा के इन्दर प्रसाद और ग्राम-जगतपुर नितेश शर्मा जो कक्षा पहली में अध्ययनरत है इन्होंने भी श्रवण यंत्र के लिए समाज कल्याण विभाग में आवेदन किया था। कलेक्टर रोहित व्यास ने उनके द्वारा मांगे गये उपकरण उपलब्ध करा दिए हैं। मोबाईल एवं श्रवण यंत्र मिलने पर खुशी जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया। समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत दिव्यांगजनों के लिए अनेक कल्याणकारी योजना संचालित की जा रही है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन, निराश्रित पेंशन एवं दिव्यांग पेंशन, नि:शक्तजन छात्रवृत्ति योजना, राष्ट्रीय वृद्धा पेंशन, श्रवण यंत्र, कृत्रिम उपकरण, दिव्यांग सुखद सहारा योजना, नि:शक्तत विवाह प्रोत्साहन योजना आदि योजनाओं का लाभ दिव्यांगजन उठा रहे हैं। नि:शक्त विवाह प्रोत्साहन सहायता योजना के तहत दिव्यांगजनों को पूरे जीवनकाल में एक बार ही दी जाती है। नि:शक्त विवाह प्रोत्साहन योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए 40 प्रतिशत नि:शक्तता होना आवश्यक है। दंपत्ति पति/पत्नी में से कोई एक नि:शक्त है वहीं आवेदन कर सकते हैं। दोनों नि:शक्त होने की स्थिति में संयुक्त रूप से आवेदन करना होगा। विवाह प्रोत्साहन योजना के तहत पति पत्नि में से कोई एक दिव्यांग है तो 50 हजार की राशि दी जाती है और यदि दोनों दिव्यांग है तो 1 लाख रुपए की सहायता राशि दी जाती है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्दे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

बलौदा बाजार की घटना एवं लचर कानून व्यवस्था के खिलाफ प्रदेश भर में धरना प्रदर्शन

- **धरना प्रदर्शन में शामिल हुए दीपक बैज, रायपुर में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, कोरिया में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत**

रायपुर । आरएनएस

राज्य की बिगड़ती कानून व्यवस्था तथा बलौदाबाजार की हिंसक घटनाये कलेक्टर पुलिस अधीक्षक कार्यालय को जलाये जाने के विरोध में तथा पवित्र जैतखंभ के तोडफ़ोड़ की हाईकोर्ट के जज से न्यायिक जांच की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आवाह्न पर प्रदेश के समस्त जिलों में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। राजधानी रायपुर में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, बस्तर में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज तथा नेताप्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत कोरिया जिले धरने में शामिल हुये।

बस्तर में धरने को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने भाजपा सरकारों और छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय सरकार के ऊपर कई गंभीर सवाल खड़े किये दीपक बैज ने कहा जहां भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार है आज वह प्रदेश जल रहा है फिर हम बात करें मणीपुर की या फिर हरियाणा की और बात करें। दिल्ली की भारतीय जनता पार्टी की सरकारों में इन राज्यों में आग फैलाने आग लगाने का ही कार्य किया है। 6 महीने की छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की विष्णु देव साय की सरकार ने छत्तीसगढ़ को भी आग के हवाले कर दिया बस्तर में धर्मांतरण को लेकर के बस्तर को जलाया जा रहा है। बस्तर में फिर से नक्सलवाद अपने चरम पर पहुंच गया है। वहीं बलौदा बाजार जैसी घटना देश के इतिहास में पहली बार घटित हुई है क्योंकि आज तक देश के इतिहास में कभी भी कलेक्टर और एसपी के कार्यालय को नहीं जलाया गया, परंतु बलौदा बाजार में प्रदर्शनकारियो की भीड़ में असामाजिक तत्वों के द्वारा कलेक्टर और एसपी के कार्यालय तथा सैकड़ो वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया। सतनामी समाज के तीर्थ स्थल के साथ हुए छेड़छाड़ की घटना के बाद से ही सतनामी समाज में रोश था। सरकार ने आनन फानन में मामले की लीपापोती करने तीन लोगों को गिरफ्तार किया परंतु सतनामी समाज सरकार के इस रवैया से संतुष्ट नहीं था और लगातार सीबीआई जांच की मांग कर रहा था। इस दौरान सरकार और समाज के बीच की कड़ी बनने का कार्य बीजेपी के नेता ही कर रहे थे। 10 तारीख को सतनामी समाज के प्रदर्शन स्थल पर टेंट से लेकर खाने तक की व्यवस्था का कार्य बीजेपी के नेताओं ने ही संभाला था परंतु एसपी कार्यालय कलेक्टर कार्यालय की आगजनी के बाद यह भाजपा के नेता लापता हो गए। लगातार विष्णु देव साय सरकार बलौदा बाजार में अपनी विफलता को छुपाने के लिए निर्दोष सतनामी समाज के लोगों को प्रताडि़त कर रही है। केवल सफेद रंग के कपड़े देखकर, सतनामी समाज का व्यक्ति देखकर निर्दोष लोगों को जेल की सलाखों के पीछे डाल रही है परंतु इस पूरी घटना में मुख्य आरोपी आज भी सरकार की पकड़ से दूर है। आज कांग्रेस पार्टी पूरे प्रदेश भर में धरना प्रदर्शन के माध्यम से प्रदेश की भाजपा सरकार से बलोदा बाजार घटना की सीबीआई जांच की मांग करती है और निर्दोष लोगों को जो पुलिस ने पकड़ के रखा है उन्हें छोडऩे की मांग करती है।